

.. श्रीबटुकमैरवाष्टोत्तरशतनामवलिः ..

ॐ अस्य श्री बटुकमैरवाष्टोत्तरशतनाम मन्त्रस्य बृहदारण्यक ऋषिः .  
अनुष्टुप् छन्दः . श्री बटुकमैरवो देवता . ॐ बीजम् . ह्री शक्तिः .  
प्राणव कीलकम् . श्री बटुकमैरव प्रीत्यर्थम् ऐभिर्द्रव्यैः पृथक्  
नाम मन्त्रेण इवने विनियोगः.

तत्राद्यौ ह्रीं वां एति करन्यासं हृदयादि न्यासं च कृत्वा ध्यात्वा  
गंधाक्षतैः संपुज्य इवनं कुर्व्यात्.

ॐ मैरवाय नमः.

ॐ भूतनाथाय नमः.

ॐ भूतात्मने नमः.

ॐ भूतभावनाय नमः.

ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः.

ॐ क्षेत्रपालाय नमः.

ॐ क्षेत्रदाय नमः.

ॐ क्षत्रियाय नमः.

ॐ विरञ्जि नमः.

ॐ श्मशान वासिने नमः.

ॐ मांसाशिने नमः.

ॐ ज्वरराशिने नमः.

ॐ स्मरंतकाय नमः.

ॐ रक्तपाय नमः.

ॐ पानपाय नमः.

ॐ सिद्धाय नमः.

ॐ सिद्धिदाय नमः.

ॐ सिद्धिसेविताय नमः.

ॐ कंकालाय नमः.

ॐ कालाशमनाय नमः.  
ॐ कलाकाष्ठाय नमः.  
ॐ तनये नमः.  
ॐ कुवये नमः.  
ॐ त्रिनेत्राय नमः.  
ॐ बहुनेत्राय नमः.  
ॐ पिंगललोचनाय नमः.  
ॐ शूलपाशये नमः.  
ॐ ञङ्गपाशये नमः.  
ॐ कपालिने नमः.  
ॐ धूम्रलोचनाय नमः.  
ॐ अग्निरेव नमः.  
ॐ भैरवीनाथाय नमः.  
ॐ भूतपाय नमः.  
ॐ योगिनीपतये नमः.  
ॐ धनदाय नमः.  
ॐ धनहारिणे नमः.  
ॐ धनवते नमः.  
ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः.  
ॐ नागहाराय नमः.  
ॐ नागपाशाय नमः.  
ॐ व्योमकेशाय नमः.  
ॐ कपालभृते नमः.  
ॐ कालाय नमः.  
ॐ कपालमालिने नमः.  
ॐ कमनीयाय नमः.

ॐ कलानिधये नमः.  
ॐ त्रिलोचनाय नमः.  
ॐ ज्वलन्नेत्राय नमः.  
ॐ त्रिशिपिने नमः.  
ॐ त्रिलोकषाय नमः.  
ॐ त्रिनेत्रयतनयाय नमः.  
ॐ डिंभाय नमः.  
ॐ शान्ताय नमः.  
ॐ शान्तजनप्रियाय नमः.  
ॐ बटुकुकाय नमः.  
ॐ बटुवेशाय नमः.  
ॐ ञट्वांगधारकाय नमः.  
ॐ धनाध्यक्षाय नमः.  
ॐ पशुपतये नमः.  
ॐ त्रिभुक्तुकाय नमः.  
ॐ परिचारकाय नमः.  
ॐ धूर्ताय नमः.  
ॐ द्विगम्भराय नमः.  
ॐ शूराय नमः.  
ॐ हरिणे नमः.  
ॐ पांडुलोचनाय नमः.  
ॐ प्रशांताय नमः.  
ॐ शांतिदाय नमः.  
ॐ सिद्धाय नमः, .  
ॐ शंकरप्रियबांधवाय नमः.  
ॐ अष्टभूतये नमः.

ॐ निधीशाय नमः.  
ॐ ज्ञानचक्षुशे नमः.  
ॐ तपोमयाय नमः.  
ॐ अष्टाधाराय नमः.  
ॐ षडाधाराय नमः.  
ॐ सर्पयुक्ताय नमः.  
ॐ शिजिसप्ताय नमः.  
ॐ भूधराय नमः.  
ॐ भुधराधीशाय नमः.  
ॐ भूपतये नमः.  
ॐ भूधरात्मजाय नमः.  
ॐ कंकालधारिणे नमः.  
ॐ मुण्डिने नमः.  
ॐ नागयज्ञोपवीतवते नमः.  
ॐ जृम्भाणाय नमः.  
ॐ मोहनाय नमः.  
ॐ स्तंभिने नमः.  
ॐ मरणाय नमः.  
ॐ क्षोभाणाय नमः.  
ॐ शुद्धनीलांजनप्रण्याय नमः.  
ॐ दैत्यधने नमः.  
ॐ मुण्डभूषिताय नमः.  
ॐ बलिभुञ्जं नमः.  
ॐ बलिभुङ्नाथाय नमः.  
ॐ बालाय नमः.  
ॐ बालपराक्रमाय नमः.

- ॐ सर्वापित्ताशय नमः.  
ॐ दृगाय नमः.  
ॐ दृष्टभूतनिषेविताय नमः.  
ॐ कामिने नमः.  
ॐ कलानिधये नमः.  
ॐ कान्ताय नमः.  
ॐ कामिनीवशकृद्दशिने नमः.  
ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः.  
ॐ वैद्याय नमः.  
ॐ प्रभवे नमः.  
ॐ विष्णवे नमः.

.. एति श्री षडुक्तमैश्वाष्टोत्तरशतनामं समाप्तम् ..